



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)  
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 197]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 24, 1990/ज्येष्ठ 3, 1912

No. 197]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 24, 1990/JYAISTHA 3, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त संचालय  
(प्राथमिक कार्य विभाग)

बीमा प्रभाग

प्रविसूचना

नई दिल्ली, 24 मई, 1990

भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा  
निष्पन्नताओं और शर्तों का पुनरीक्षण) संशोधन नियम, 1990

सा. का. नि. 509(अ):—केंद्रीय सरकार, जीवन बीमा निगम  
अधिनियम, 1956 (1956 का 31) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों  
का प्रयोग करते हुए, भारतीय जीवन बीमा वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी  
(सेवा निष्पन्नताओं और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 का और  
संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम:—इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय जीवन  
बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी (सेवा निष्पन्नताओं और शर्तों का  
पुनरीक्षण) संशोधन नियम, 1990 है।

2. भारतीय जीवन बीमा निगम वर्ग 3 और वर्ग 4 कर्मचारी  
(सेवा निष्पन्नताओं और शर्तों का पुनरीक्षण) नियम, 1985 (जिन्हें इसमें इसके  
पश्चात् उक्त नियम कहा गया है), में,

(1) नियम 19क के उपनियम (2) के स्थान पर, निम्नलिखित  
रखा जाएगा और उसकी बावजूद यह संशोधन जाएगा कि उसे  
1 अगस्त, 1989 को रखा गया था, अर्थात्:—

“(2) ऐसे किसी कर्मचारी को, जो सहायक या प्राबुलिक  
के वेतनमान में हो, जिसे 1 अगस्त, 1989 से ठीक पूर्व स्नातक वेतन  
वृद्धियां मिल रही थीं और जो उक्त नियमों के नियम 4 के  
उपनियम (1) में निर्दिष्ट वेतनमान की अधिकतम सीमा तक पहुंच  
चुका था या जिसने उक्त नियम 7 के खंड (क) में निर्दिष्ट पहली  
वेतन वृद्धि प्राप्त कर ली थी, स्नातक भत्ता निम्नलिखित  
सारणी के अनुसार देय होगा

## सारणी

वर्तनारीख जिससे भत्ता देय है

रकम

(i) (क) उन कर्मचारियों को जो 1 अगस्त, 1988 को उक्त नियमों के नियम 4 के उपनियम (i) में निर्दिष्ट वेतनमान की अधिकतम सीमा तक पहुँच सके थे, 1 अगस्त, 1989 से, या

(ख) जिस मास में एक वर्ष की सेवा जो उक्त नियमों के नियम 4 के उपनियम (i) में निर्दिष्ट वेतनमान की अधिकतम सीमा तक पहुँचने की तारीख में प्रारम्भ होगी, पूरी की हो, उससे अगले मास की पहली तारीख से,

जो भी बाद में हो।

(ii) (क) उन कर्मचारियों को जिनको उक्त 130 रु प्रति मास नियमों के नियम 7 के खंड (क) में निर्दिष्ट पहली वेतन वृद्धि प्राप्त करने की तारीख में एक वर्ष से अधिक की सेवा पूरी कर ली हो, 1 अगस्त, 1990 से, या

(ख) जिस मास में एक वर्ष की सेवा जो उक्त नियमों के नियम 7 के खंड (क) में निर्दिष्ट पहली वेतन वृद्धि की तारीख में प्रारम्भ होगी, पूरी की हो, उससे अगले मास की पहली तारीख से,

जो भी बाद में हो।

स्पष्टीकरण.—संदेह दूर करने के लिए, यह स्पष्ट किया जाता है, कि नियम 19(क) के उपनियम (2) की किसी बात का प्रभाव यह नहीं होगा कि किसी ऐसे कर्मचारी में उस स्नातक भत्ता की धरती की जाए जो वह इन नियमों के प्रकाशन के पूर्व प्राप्त कर चुका है।

(2) उक्त नियमों के नियम 11 में, उपनियम (ii) के पश्चात् निम्नलिखित उपनियम अन्तर्स्थापित किया जाएगा और उसकी शक्ति यह समझा जाएगा कि उसे 1 अप्रैल 1987 को अन्तर्स्थापित किया गया था, अर्थात्—

(iii) जो आगत समुद्र तल से 750 मीटर से अन्तः-मूल वेतन के 5% की अधिक उचाई पर ऐसे स्थानों पर तैनात हों जो दर पर किन्तु 125 रु. में पहाड़ियों में डिपेंडेंट हैं और जिन प्रति मास में अधिकतम ऐसी पहाड़ियों द्वारा ही पहुँचा जा सकती है जो आगत समुद्र तल से 1000 मीटर और उससे अधिक की उचाई पर है।

[का० सं० 2 (21)/वी III/89]

एस. जयन्त, संयुक्त सचिव

स्पष्टीकरण भारत

केन्द्रीय सरकार ने, जहाँ तक स्नातक भत्ता का संबंध है 1 अगस्त, 1989 से और जहाँ तक पदवीय स्नातक भत्ता का संबंध है, 1 अप्रैल, 1987 से भारतीय जीवन बीमा निगम के कर्मचारियों की सेवा के निदेशों और शर्तों को पुरीकृत करने की मंजूरी दे दी है। तदनन्तर

नियम 19क और 11 का क्रमशः 1 अगस्त, 1989 और 1 अप्रैल, 1987 से संशोधन किया जा रहा है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि इन आदेशों का प्रभाव देने से जीवन बीमा निगम के किसी भी कर्मचारी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है।

पाठ दिनांक : मूल नियम अधिसूचना सं. सा. का. नि. 368 और, तारीख 11-4-1985 के अधीन प्रकाशित किए गए थे और 208 में उनका संशोधन अधिसूचना सं. सा. का. नि. 18(अ) तारीख 7-1-1986, सा. का. नि. 1076 (अ) तारीख 11-9-1986, सा. का. नि. 983 (अ) तारीख 7-12-1987 और सा. का. नि. 870 (अ) तथा 974 (अ) तारीख 22-8-1988 और सा. का. नि. 515 (अ) तारीख 12-5-1989 द्वारा किया गया।

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

## INSURANCE DIVISION

## NOTIFICATION

New Delhi, the 24th May, 1990

LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA CLASS III AND CLASS IV EMPLOYEES (REVISION OF TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE) AMENDMENT RULES, 1990.

G.S.R. 509(E) :—In exercise of the powers conferred by section 48 of the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985, namely :—

1. Short title :—These rules may be called the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Amendment Rules, 1990.
2. In the Life Insurance Corporation of India Class III and Class IV Employees (Revision of Terms and Conditions of Service) Rules, 1985 (hereinafter referred to as "the said rules"):

(1) for sub-rule (2) of the rule 19A, the following shall be substituted and shall be deemed to have been substituted from the 1st day of August, 1989 namely :—

“(2) An employee in the scale of pay of Assistant or Stenographer, who was in receipt of graduation increments immediately prior to the 1st day of April,

1989 and had reached the maximum of the scale of pay referred to in sub-rule (1) of rule 4 of the said rules, or had drawn the first increment referred to in clause (a) of rule 7 of the said rules, be paid graduation allowance in accordance with the following Table :—

TABLE

Date from which Allowance is payable	Amount
1	2
(i) (a) On and from 1st day of August, 1989 to those Employees, who had reached the maximum of the scale of pay referred to in sub-rule (1) of rule 4 of the said rules, as on the 1st day of August 1988; or	Rs. 65/- per month
(b) on and from the 1st day of the month following the completion of one year of service commencing from the date of reaching the maximum of the scale refer to in sub-rule (1) of rule 4 of the said rules,	
whichever is later.	
(ii) (a) on and from 1st day of August, 1990 to those employees who have completed more than one year of service from the date of the first of the increments referred to in clause (a) of rule 7 of the said rules; or	Rs. 130 per month
(b) on and from the 1st day of the month following the completion of one year of service commencing from the date of the first increment referred to in clause (a) of rule 7 of the said rules,	
whichever is later.	

1

2

Explanation:—for the removal of doubts, it is clarified that nothing contained in sub-rule (2) of rule 19A, shall have the effect of recovering any graduation allowance drawn by an employee prior to the publication of these rules.

(2) In rule 11 of the said rules, after sub-rule (ii) the following sub-rule shall be inserted and shall deemed to have been inserted with effect from the 1st day of April, 1987, namely:—

“(iii) posted at places situated At the rate of  
at a height of not less 5 per cent of  
than 750 metres above mean the basic pay  
sea level which are sur- subject to a  
rounded by and accessible maximum of  
only through hills with a Rs. 125/- per  
height of 1000 meters and month.”  
over above mean sea level.

[F. No. 2 (21)/Ins.-III/89]

S. KANNAN, Jt. Secy.

## EXPLANATORY MEMORANDUM

The Central Government have accorded approval to revise the terms and conditions of service of employees of the Life Insurance Corporation of India with effect from the 1st day of August, 1989, so far as Graduation Allowance is concerned and with effect from 1st day of April, 1987 so far as Hill allowance is concerned. The rules 19A and 11 are being amended accordingly with effect from 1-8-1989 and 1-4-1987 respectively.

2. It is certified that no employee of the Life Insurance Corporation is likely to be affected adversely by the notification being given retrospective effect.

Foot Note: The principal rules were published under Notification No. GSR 357 (E) dated 11-4-1985.

Subsequently amended by Notifications No. GSR 18 (E) dated 7-1-1986, GSR 1076(E) dated 11-9-1986, GSR 961 (E) dated 7-12-1987, GSRs 870 (E) and 873(E) dated 22-8-1988 and GSR 515 (E) dated 12-5-1989.

